भारत सरकार
भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय
भारी उद्योग विभाग

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1138
जिसका उत्तर बृहस्पतिवार, 20 दिसम्बर, 2018 को दिया जाना है

उत्कृष्टता केन्द्रों की स्थापना करना

1138. श्री संभाजी छत्रपति:

क्या भारी उद्योग एवं लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगें किः

(क) क्या वस्त्र मशीनरी, मशीनों के उपकरण, वेल्डिंग प्रौद्योगिकी और स्मार्ट पम्पों के क्षेत्र में 4 नए उत्कृष्टता केन्द्र स्थापित करने की घोषणा को आधारभूत रूप में कार्यान्वित कर दिया गया है;
(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या वैश्विक मानकों वाली प्रौद्योगिकीय उन्नति के लिए देश में ऐसे और अधिक केन्द्र स्थापित करने की कोई और योजना है; और
(घ) यदि हां, तो पहचान किए गए क्षेत्रों तथा कार्यान्वयन के लिए प्रस्तावित भावी योजनाओं का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
भारी उद्योग और लोक उद्यम राज्य मंत्री
(श्री बाबुल सुप्रियो)

(क) से (घ): जी, हां। 'भारतीय केपिटल गुड्स क्षेत्र में प्रतिस्पर्धात्मकता की वृद्धि' हेतु स्कीम के तहत नीचे संक्षिप्त में दिए गए विस्तृत ब्यौरे के अनुसार वस्त्र मशीनरी, मशीन टूल्स, वेल्डिंग प्रौद्योगिकी और स्मार्ट पम्प के क्षेत्रों में चार उत्कृष्टता केन्द्रों का कार्यान्वयन किया जा रहा है:

1. केन्द्रीय विनिर्माण प्रौद्योगिकी संस्थान (सीएमटीआई), बेंगलुरू, कर्नाटक में वस्त्र मशीनरी के लिए हाई स्पीड शटल-रहित रेपियर लूम के विकास हेतु एक उत्कृष्टता केन्द्र का कार्यन्वयन किया गया है।
2. आईआईटी, चेन्नई, तमिलनाडु में एक उत्कृष्टता केन्द्र मशीन टूल्स और उत्पादन प्रौद्योगिकी के लिए उन्नत प्रौद्योगिकियों का विकास कर रहा है।
3. पीएसजी प्रौद्योगिकी कॉलेज, कोयम्बटूर, तमिलनाडु में एक उत्कृष्टता केन्द्र वेल्डिंग प्रौद्योगिकियों का विकास कर रहा है।
4. सि'टार्क, कोयम्बटूर, तमिलनाडु में एक उत्कृष्टता केन्द्र स्मार्ट सबमर्सिबल पम्पों का विकास कर रहा है।

उपर्युक्त के अलावा, निम्नानुसार चार अन्य उत्कृष्टता केन्द्र अनुमोदित किए गए हैः

(i) आईआईटी खड़गपुर, पश्चिम बंगाल में अनेक विनिर्माण प्रौद्योगिकियों विकसित करने हेतु।
(ii) हेवी इंजीनियरिंग कार्पोरेशन (एचएसी), रांची में 5 घन मीटर के हाइड्रोलिक एक्सकावेटरों के विकास हेतु।
(iii) आईआईएससी, बेंगलुरू, कर्नाटक में उच्च कार्य-निष्पादन वाले मेटेलिक मिश्रधातु के लिए योज्य विनिर्माण के विकास हेतु।
(iv) आईआईटी दिल्ली, दिल्ली में वस्त्र मशीनरी के विकास हेतु

*****